भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 1048

दिनांक 27 जून , 2019 / 6 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

दीमापुर विमानपत्तन का उन्नयन

1048. श्री येपथोमी तोखेही:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दीमापुर विमानपत्तन के उन्नयन का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार उसी विमानपत्तन को अपग्रेड करेगी अथवा उसे किसी अन्य साइट पर स्थानांतरित किया जाएगा; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (ग): हवाईअड्डों का स्तरोन्नयन/विकास एक सतत प्रक्रिया है और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक कारकों, यातायात मांग/ऐसे हवाईअड्डों के लिए/से प्रचालन करने की एयरलाइनों की इच्छा के आधार पर समय समय पर यह प्रक्रिया चलाई जाती है। एएआई ने दीमापुर हवाईअड्डे पर 43.22 करोड़ रुपए की लागत से रनवे, टैक्सीवे और एप्रन का सुदृढ़ीकरण कार्य हाथ में लिया है, जिसमें लिंक टैक्सीवे के साथ आइसोलेशन बे का निर्माण शामिल है। राज्य सरकार ने भारत सरकार से कोहिमा के लिए चैथू में एक वैकल्पिक हवाईअड्डा विकसित करने का अनुरोध किया है। डीजीसीए, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, और एएआई के अधिकारियों के एक बहु-विभागीय दल ने अगस्त, 2018 में स्थल का दौरा किया और चैथू हवाईअड्डे के विकास के लिए लगभग 6000 करोड़ (स्थल विकास के लिए 5500 करोड़ रुपए + हवाईअड्डा अवसंरचना के लिए 500 करोड़ रुपए) की लागत प्राक्कलित की। चैथू हवाईअड्डे के विकास में लगने वाली भारी लागत को देखते हुए, स्थल को प्रारंभिक रिपोर्ट में आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य नहीं पाया गया।

*****